>

Title: Need to give loan to farmers at lower interest rate.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): सभापति महोदय, केन्द्र सरकार द्वारा किसानों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया गया है। समय-समय पर केन्द्र की सभी सरकारों ने गत 10-15 वर्षों में किसानों की समस्याओं को हल करने का प्रयास भी किया है। परंतु किसानों को जो मार महंगाई और प्राकृतिक आपदाओं की पड़ती है, वह असहनीय है। इसलिए किसान अधिकांशत: ऋण बैंकों से उठाते हैं, जिसे प्राप्त करने में कई प्रकार की औपचारिकताएं हैं, जिन्हें किसान या तो पूरा नहीं कर सकता या फिर वह उस झमेले में न पड़कर साहूकारों से ब्याज पर या अपनी जमीनें गिरवी रखकर पैसा उठाता है, जिसके कारण वह परेशानी उठाता है। कई बार वह ऋण की अदायगी वर्षों तक न कर पाने के कारण खुदकुशी भी कर लेता है। सरकार ने उसी को मद्देनजर रखते हुए किसान क्रेडिट कार्ड योजना के नाम से एक बहुत लाभदायक योजना चलाई है। जिसका लाभ आज सारे देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। उसमें कुछ सुधार करने की आवश्यकता है। एक तो ऋण की राशि को स्थानीय स्तर पर भूमि की अनुपातिक मूल्य के आधार पर दिया जाना चाहिए क्योंकि आज भूमि की कीमतें गत कुछ वर्षों से कई गुणा बढ़ गई हैं परंतु जो यार्ड स्टिक यानी बैंक का ऋण देने का जो पैमाना है वह बहुत कम है, दूसरा सात प्रतिशत ब्याज को कम कर के दो प्रतिशत करना चाहिए ताकि किसान पर उसका बोझ ज्यादा न पड़े और प्राकृतिक आपदा के समय किसानों का ऋण बिना किसी शर्त के माफ करने की योजना बनानी चाहिए।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि उस ओर सही आकलन कर के उपरोक्त सुझावों को आने वाले बजट में सम्मिलित करें। हमें खुशी है कि मंत्री जी यहां पर बैठे हैं तो वे इस पर खास ध्यान देंगे।

MR. CHAIRMAN : Shri Arjun Ram Meghwal and Shri Devji M. Patel are allowed to associate with the matter raised by Shri Virender Kashyap.